यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2022

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 10

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 काँलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न 1 नीचे लिखे पदों के चरण बताइए - **7**

1. जो वा विंस खायइ जीवियट्ठी .....
2. उवट्ठिओ तोसए धम्मकामी .....
3. एस धम्मे धुवे णिच्चे .....
4. संकहं च अभिक्खणं .....
5. विउलहियसुहावहं पुणो .....
6. पूछो प्रश्न करो हल धारणा .....
7. सिद्धांत ज्ञान विधान हो .....

प्रश्न 2 नीचे लिखी गाथाओं को पूरा करो - **12**

1. जे यावि मंदेत्ति .....।
   हीलंति मिच्छं .....।।

2. सिया हु सीसेण .....।

.....मोक्खो गुरुहीलणाए।।

3. पेहेइ हियाणुसासणं.....।

.....आययट्ठिए।।

4. नो इहलोगट्ठयाए .....।

.....पयं भवइ।।

5. बंभचेरे संका .....।

.....हेवज्जा।।

6. नो पणीयं .....।

.....आहोरमाणस्स।।

7. सद्दे रूवे य .....।

पंचरिहे.....।।

8. मणपल्हाय .....।

.....तु विवज्जए।

9. सामायिक .....।

.....सब मिलकर।।

10. लक्ष्मी तथा .....

.....बढ़ता है अहो।

11. करो मनोरथ .....।

भावों .....।।

12. यदि शांति .....

..... पा लिया।।

प्रश्न 3 नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए – **24**

1. साधु तथा श्रावक में होने वाली 2 समानता व 2 असमानता लिखो।

.....

.....

2. असंज्ञी मनुष्य पंचेन्द्रिय, त्रस बादर है फिर भी प्रतिघात नहीं होता है कोई 4 कारण लिखो।

.....

.....

3. उत्सर्ग और अपवाद का तात्पर्य क्या है?

.....

.....

4. आचार्य श्री हुक्मीचन्दजी म.सा. कोई 4 गुण लिखो।

.....

.....

5. भगवान महावीर ने संसार की क्षणिकता का बोध कैसे बताया ?

.....

.....

6. वीर लोकशाह को संसार से विरक्ति कैसे हुई।

.....

.....

7. जीव के माता के कितने अंग होते है और कितने काल तक रहते है?

.....

.....

8. दर्शन मोहनीय की प्रकृतियों के नाम लिखो।

.....

.....

9. ज्ञान किसे कहते हैं?

.....

.....

10. स्त्यानर्द्धि को परिभाषित कीजिए।

.....

.....

11. 19, 37, 56, 82 नम्बर की प्रकृतियों के नाम लिखो। (नाम कर्म में से)

.....

.....

12. रज उद्धात का क्या अर्थ है?

.....

.....

प्रश्न 4 गाथा पहचानकर अगली गाथा का पहला चरण लिखिए। **7**

1. एवं गणी सोहइ भिक्खुमज्झे .....
2. कायाग्गिरा भो! मणसाय निच्चं। .....
3. तसिं इंदिय – दरिसणं .....
4. सोय गेज्झं विवज्जए .....
5. अइमायाए पाणभोयणं आहारेज्जा .....
6. पालो नित चौविहार .....
7. प्राप्त हो उत्कर्ष को .....

प्रश्न 5 अंको में उत्तर दीजिए – **12**

1. गर्भ में उत्पन्न होता जीव कितने शरीर सहित उत्पन्न होता है। .....
2. मनुष्यणी के गर्भ की उत्कृष्ट स्थिति कितनी है। .....
3. गति चतुदर्शक के कितने भेद है? .....
4. शरीर अंगोपांग नामकर्म कितने है। .....
5. क्रियोधारक श्री प्रतिदिन कितनी गाथाओं का परावर्तन करते थे? .....
6. वीर लोकशाह को कितने आगमों की प्रतिलिपि उतारने के लिए दी थी? .....
7. कितने व्यक्तियों ने आगमानुकूल संयम ग्रहण करने की इच्छा प्रकट की? .....
8. साधु कितनी तरह के पात्र रख सकते हैं? .....
9. श्रावकजी कितने गुणों से सम्पन्न होते है? .....
10. श्री निशीथ सूत्र के भाष्य एवं चुर्णि में मात्रक में मलमूत्र विसर्जन के कितने कारण है? .....
11. श्री स्थानांग सूत्र में औदारिक संबंधी कितने अस्वाध्यायिक है? .....
12. एक मुहूर्त में कितनी आवलिका होती है? .....

प्रश्न 6 नीचे लिखी गाथाओं का अर्थ लिखो। **10**

1. जे यावि नागं डहरे त्ति वच्चा, आसायए से अहिपाय होइ।
   एवाऽऽवरियं पि हु हीलयंतो, नियच्छई जाइपहं खु मंदे।।

.....

.....

2. आयरियपाया पुण अप्प सन्ना अबोहि आसायण नत्थि मोक्खो।

तम्हा अणाबाहसुहाभिकंखी, गुरुप्पसायभिमुहो रमेज्जा।।

.....

.....

3. जाई-मरणाओ मुच्चई, इत्थंथं च जहाति सव्वसो।

सिद्धे वा भवइ सासए, देवे वा अप्परए महिड्ढिए।।

.....

.....

4. देव-दाणव-गंधवा, जक्ख-रक्खस किन्नर।

बंभयारि नमंसाति, दुक्कर जे करंति तं।।

.....

.....

5. दुज्जइ कोमभोगे य, निच्चसो परिवज्जए।

संका-ठाणाणि सवाणि, वज्जेज्जा पणिहावं।।

.....

.....

प्रश्न 7 नीचे लिखे शब्दों के मिनींग लिखो – **5**

1. आसीविसो – ..... 2. मिच्छ .....

3. पावगं – ..... 4. ससी .....

5. चउत्थं – ..... 6. अभिलसाणिज्जे .....

7. मुच्चई – ..... 8. आलओ .....

9. अभिगय – ..... 10. बांचेर-रओ .....

प्रश्न 8 सही तथा गलत बताइए – **8**

1. रंगूजी ने कल्प की पूर्ति के लिए आटा, आंवला, नमक, छाछ व धोवन इनके उपरांत सबका त्याग किया।( )

2. रोहिणेय ''चरित्रवान से चोर'' बना। ( )

3. श्रावक का विचार हमेशा ऊँचा यानि मोक्ष जाने का होता है। ( )

4. एक भव में एक जीव के उत्कृष्ट पृथक्त्व सौ पुत्र-पुत्री हो सकते है। ( )

5. वर्तमान में जंबूद्वीप के भरत क्षेत्र में उत्पन्न मनुष्यों में सेवार्त्त संहनन भी पाया जाता हैं। ( )

6. वामन संस्थान में पेट, पीठ आदि हीन होते हैं। ( )

7. रस नाम कर्म के 5 प्रकार है। ( )

8. उद्योत नाम कर्म वाले जीव स्तर पृथ्वीकायिक में ही होते है? ( )

प्रश्न 9 नीचे लिखी प्रकृतियों की परिभाषा लिखो– **6**

1. आदेय

.....

.....

2. लब्धि अपर्याप्त

.....

.....

3. पराधात

.....

.....

प्रश्न 10 श्री रंगूजी के जीवन से आपको क्या शिक्षा मिली। **2**

.....

.....

प्रश्न 11 सचित्त तथा अचित्त पदार्थों को अलग–अलग कीजिए – **4**

सफेद नमक, चॉक, डिस्टिल वाटर, भोभर साजी, पानी, भाप, चालु टार्च, राख, काजू, केसर फिटकरी, राई सेकी हुई साजी, चंदन, हरी सब्जी।

.....

.....

.....